हिंसा व अपराध समाज व राष्ट्र के विकास में बाधक–महामहिम भण्डारे

आबू रोड, 31 मई, निसं। शांति व सौहार्द्र किसी भी देश व समाज की खुशहाली और शांति के लिए जरूरी है। दैहिक बन्धनों से परे उठते हुए एकीकरण का दृष्टिकोण रखना चाहिए। हिंसा व अपराध किसी भी समाज व राष्ट्र के विकास में बाधक है। उक्त विचार उड़ीसा के राज्यपाल महामहिम श्री मुरलीधर चन्द्रकान्त भण्डारे ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन परिसर में राजयोग शिक्षा एवं शोध प्रतिष्ठान के प्रशासक प्रभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रशासकों के राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर सम्बोधित कर रहे थे।

आगे उन्होंने कहा कि हमारा मुल्क सदियों से शांति का पक्षधर रहा है। क्योंकि सभी लोगों का मकसद शांति और सुख होता है। ऐसे में हिंसा व अपराध मनुष्य के उत्थान को प्रभावित करता है। यदि किसी भी व्यक्ति को अपना सर्वांगिण विकास करना है तो उसे शांति और इमानदारी का रास्ता अपनाना चाहिए। देश की तरक्की के लिए प्रशासक अपनी मेहनत और दृढ़ता से सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को आम आदमी तक पहुंचाने प्रयत्न करते हैं। शिक्षा का मतलब है कि लोगों में समझदारी आये तथा एक बेहतर समाज बने। परन्तु दुख आज इस बात का है कि जितना हम तरक्की कर रहे है उतना अपराध भी बढ़ रहा है। इसका समाधान हमें मिलकर ढूढ़ने की जरूरत है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज संस्था का यह प्रयास आज पूरी दुनियां के सभी मजहब और धर्म के लोगों को एकजुट करने में लगा हुआ है।

ब्रह्माकुमारीज संस्था के महासचिव ब्र0 कु0 निर्वेर ने कहा कि अच्छे प्रशासन का अर्थ होता है कि सभी व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रूप से चलाना। भारत की संस्कृति दुनियां में सर्वश्रेष्ठ है और उस संस्कृति में प्रशासनिक व्यवस्थाओं का उच्चकोटि का मार्गदर्शन है। यदि उसे पुन: व्यक्ति अपने जीवन में लागू करने का प्रयास कर दे तो भारत जल्द ही स्वर्ग बन जायेगा। दिल्ली से आये प्यूरीटी मैगेजिन के प्रधान सम्पादक तथा राजनीतिज्ञ प्रभाग के राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर ब्र0 कु0 बृजमोहन ने कहा कि भारत देश में परिवारों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इसके लिए जरूरी है कि परिवार की प्रशासनिक व्यवस्थाओं को बनाये रखने की आवश्यकता है। प्रशासन सबसे पहले हमें अपने अन्दर उत्पन्न होने वाले विचारों पर करना होगा। इसके लिए अन्त: करण को सशक्त करने की आवश्यकता है।

प्रशासक प्रभाग की अध्यक्षा तथा ओम शांति रीट्रिट सेन्टर की निदेशिका ब्र0 कु0 आशा ने सम्मेलन में आये सम्मलानार्थियों का स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि इस सम्मेलन से पूरे देश के प्रशासकों में एक अच्छा संदेश जायेगा। प्रशासक प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र0 कु0 हरीश ने सभी का आभार व्यक्त किया।

इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से सात सौ आईएएस, आईपीएस, प्रबन्धकों, प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया तथा वर्तमान समय समाज में बढ़ रहे समस्याओं, जनता व प्रशासन के बीच सदभावना, सरकारी नीतियों को जमीनी स्तर पर उतारने में आने वाली बाधाओं तथा दिनोदिन बढ़ रहे हिंसा व अपराध को समाप्त कर उसके सकारात्मक समाधान करने के मुददों पर गहन चर्चा कर उसके हल ढूढ़ने के प्रयास किये।

डायमंड हॉल को देख अभिभूत हुए महामहिम

आबू रोड, 31 मई, निसं। प्रशासकों के महासम्मेलन के समापन सत्र में भाग लेने आये महामहिम का शांतिवन में स्वागत किया गया। इसमें संस्था के महासचिव ब्र0 कु0 निर्वेर, कार्यकारी महासचिव ब्र0 कु0 बृजमोहन, संस्थान के जनसम्पर्क एवं सूचना निदेशक ब्र0 कु0 करूणा, प्रशासक प्रभाग की अध्यक्षा ब्र0 कु0 आशा, शांतिवन के प्रबन्धक ब्र0 कु0 भूपाल गुलदस्ते भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम सम्बोधन के बाद वे डायमंड हॉल का अवलोकन किया तथा वे उसके बारे में गहनता से पूछताछ करते रहे। इसके पश्चात वे रात्रि आठ बजे वे दादी प्रकाशणि के समाधि स्थल प्रकाश स्तम्भ पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा भोजन करने के बाद माउण्ट आबू के लिए रवाना हो गये।